श्री बक्सी का मुंगेर का कलक्टर रहने की अवधि।

३७०। श्री सरयू प्रसाद सिंह : क्या माननीय प्रधान मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे—

(क) कितने समय तक (किस तारीख से किस तारीख तक) श्री एन० बक्शी, आई० सी० एस०, मुंगेर के मजिस्ट्रेट तथा कलक्टर थे;

(ख) वे कहां के रहने वाले हैं;

(ग) क्या यह सही है कि जब श्री बक्शी मुंगेर के जिलाधीश थे, तब उन्होंने अपना मकान बनवाने लिए अपने घर पर बहुत सा सीमेंट, लोहा तथा निर्माण काष्ट भेजा और तत्कालीन सरकार यहां यह शिकायत की गई कि कि श्री बक्शी नाजायज तौर से इन चीजों की व्यवस्था कर रेहे थे;

(घ) क्या इस शिकायत के सिलसिले में कोई जांच की गई है और यदि की गई तो क्या परिणाम हुआ;

(ङ) क्या सरकार को मालूम है कि उनके विरुद्ध इस तरह की कोई शिकायत अभी भी चल रही है? यदि चल रही है तो क्या सरकार इसकी जांच करेगी?

माननीय डा० श्रीकृष्ण सिंह

(क) श्री एन० बक्शी, आई० सी० एस०, अप्रैल, १९४२ से मार्च १९४४ तक मुंगेर के मजिस्ट्रेट तथा कलक्टर थे।

(ख) बंगाल के फरीदपुर जिले के रहने वाले हैं।

(ग) श्री बक्शी ने एक नाव पर कुछ मकान बनाने के सामान भेजे थे। वे अधिक नहीं थे और उनमें कोई भी नियंत्रित वस्तु नहीं थी। प्रसंग की कथित अवधि में लोहे एवं लकड़ी (टिम्बर) पर नियंत्रण नहीं था। सीमेंट पर कोई रोक नहीं था और भारत सरकार के अवैतनिक सीमेंट सलाहकार सीमेंट का वितरण करते थे। सरकार को किसी तरह की शिकायत की सूचना नहीं मिली और सरकार के पास इस बात पर विश्वास करने के कोई कारण नहीं हैं कि श्री बक्सी ने निजी रूप में खरीदी हुई अनियन्त्रित वस्तुओं को अपने जन्म स्थान भेजने में कोई अनियमता की।

(घ) इस विषय में कोई जांच-पड़ताल नहीं की गई।

(ङ) प्रश्न ही नहीं उठता।

श्री बक्शी द्वारका छज्जूबाग में निवास स्थान।

३७१। श्री सरयू प्रसाद सिंह : क्या माननीय प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) किस अवधि तक (किस तारीख से) श्री एन० बक्शी, आई० सी० एस०, पटना डिवीजन के कमिश्नर थे;

(ख) वे उस समय (श्री बक्शी) पटने में कहां रह रहे थे;

(ग) क्या यह सही है कि छज्जूबाग में स्थित कमिश्नर के निवासस्थान के हाते में बहुत से टीक के पेड़ तथा अन्य लकड़ियां सरकार की थीं;

(घ) क्या यह सही है कि उन्होंने बड़े एवं तैयार टीक वृक्ष और दूसरी लकड़ियां कटवा कर व्यक्तिगत व्यवहार के लिए अपने घर भेज दिया;

(ङ) क्या इन वृक्षों की कीमत उन्होंने दी ? अगर उत्तर 'हां' है तो कितना ?

माननीय डा० श्रीकृष्ण सिंह :

(क) श्री एन० बक्शी, आई० सी० एस०, नवम्बर, १९४४ से जनवरी, १९४५ तक तथा फिर मार्च, १९४५ से अगस्त, १९४७ तक पटना डिवीजन के कमिश्नर रहे।

(ख) वे छज्जूबागस्थित चीफ जस्टिस के निवास स्थान, ब्लाक ए० में रहते थे।

(ग) उत्तर "हां" में है।

(घ) 'अधिक अन्न उपजाओ आन्दोलन' के लिए जमीन की व्यवस्था हेतु आवास में रहने वाले के अनुरोध पर पी० डब्ल्यू० डी० द्वारा तीन स्थानीय टीक वृक्ष, तीन शीशों तथा एक आम के वृक्ष काटे गये। ये वृक्ष श्री बक्शी के हाथ बेचे गये, क्योंकि सबसे ऊंची डाक उन्हीं की थी। सरकार को यह सूचना नहीं है कि श्री बक्शी ने उन वृक्षों को क्या किया